प्रेस विज्ञप्ति

संख्या:- **329**

दिनांक:- **30.0318**

अगलगी से बचाव हेतु बरतें सावधानी

जिला आपदा शाखा एवं जन सम्पर्क विभाग लोगों को करेगा जागरूक

नवादा:- प्रत्येक वर्ष अगलगी की अनेक घटनाएं घटती है। ग्रामीण क्षेत्रों के खेत, खलिहान, झोपड़ी एवं गाँव में होने वाली अग्नि घटनाओं को रोकने के लिए कुछ सावधानियाँ तथा जागरूकता के लिए जन प्रतिनिधियों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। गर्मी के दिनों में ज्यादातर आग पछुवा हवा चलने से लगती है। इनमें आग के एक चिंगारी भीषण आग का कारण बनता है। अतः सभी व्यक्ति अपना भोजन सुबह **08:00** बजे तक एवं सायं का भोजन रात्री **07:00** बजे के बाद बनाएं। तेज हवा चल रही हो तो खाना न बनायें। भोजन बनाते समय एक से दो बाल्टी पानी पास में अवश्य रखें। भोजन बनाने के बाद चूल्हे के आग को पूर्ण रूपेण पानी से बुझा दें। दीपक, लालटेन, मोमबत्ती को ऐसे जगह पर ना रखें जहाँ गिरकर आग लगने की संभावना हो। शादी ब्याह वाले घर में बिजली के तार को टेन्ट के नीचे से ना ले जायें। थ्रेसर का इस्तेमाल करते समय उसके पास पर्याप्त मात्रा में पानी रखें क्योंकि इससे उठने वाली चिनगारी से खेत-खलिहान एवं घरों में आग लग सकती है। सिगरेट या बीड़ी के लिये जलती माचिस की तीली अथवा अधजला बीड़ी एवं सिगरेट पीकर इधर-उघर ना फेकें। यदि कोई परिवार उक्त निर्देशों का पालन नहीं करता है तो जाँचोरान्त उसके उपर **500/-**रूपया दण्ड लगाया जायेगा। खलिहानों को ओवर हेड बिजली के तारों के नीचे नहीं बनायें। शीशे/कांच के बरतन के टूटे हुए टुकरे को फुस के छप्पर पर न फेंकें, क्योंकि सूर्य के तेज किरण इनपर केन्द्रित होकर आग लगने का कारण बनता है। किसी भी सुअवसर पर गाँवों एवं खलिहानों से दूर आतिशबाजी करें और कभी भी आकाशीय/राकेट आदि का व्यवहार न करें। बिजली वायरिंग में उचित मानक एवं आई**0**एस**0**आई**0** मार्क तारों का इस्तेमाल करें। यदि संभव हो तो कन्डयूट पाईप में वायरिंग करें तथा जोड़ों पर फ्लेम प्रुफ टेपों से अवश्य टेपिंग करें। झोपड़ियों एवं खलिहानों के बीच पर्याप्त दूरी रखें ताकि एक घर में या एक खलिहान में आग लगे तो दूसरा प्रभावित न हो। प्रत्येक गाँव एवं पंचायत में एक ग्राम रक्षा दल का गठन करें तथा उन्हें आग बुझाने का परम्परागत प्राथमिक तरीकों का प्रशिक्षण दें। ग्राम पंचायतों के पंचायत भवन में कुछ परम्परागत अग्निशमन यंत्र जैसे फायर बकेट, फायर बीटर, फायर हुक,

स्पेड आदि रखें। गाँव में उपलब्ध पानी के श्रोतों तालाबों/ट्यूबेल आदि को चिन्हित करें जहां से अग्निशमन दस्ते आवष्यकतानुसार पानी ले सकते हैं। पंचायत भवन एवं विद्यालयों में निकटतम अग्निशमन केन्द्रों के फोन एवं मोबाईल नम्बर अवश्य तख्ती में लिखकर लटकाएं। मच्छरों से बचने के लिए पशुघर में घुरा न लगावें। यदि लगाने की आवश्यकता हो तो घुरा के पास पर्याप्त मात्रा में पानी का प्रबंध रखें। आटा चक्की से निकलने वाले आग पर ध्यान रखें एवं इसके पास भी पर्याप्त मात्रा में पानी रखें क्योंकि इससे भी आग लगने की संभावना बनी रहती है। डीएम कौशल कुमार ने प्रभारी पदाधिकारी आपदा प्रबंधन एवं जिला सूचना एवं जन सम्पर्क पदाधिकारी को गर्मी के मौसम में होने वाली अगलगी की घटनाओं के प्रति लोगों को सावधान एवं जागरूक करने का निर्देश दिया है।